राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 327 | जौनपुर | गुरुवार, 17 जलाई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रुपये

## संक्षिप्त खबरें

### मानसून सत्र में सरकार को घेरने की रणनीति बना रही कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस आगामी मानसून सत्र के दौरान पहलगाम में 26 लोगों की हत्या करने वाले और अभी तक लापता आतंकवादियों के ठिकानों, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम की मध्यस्थता के बार–बार किए गए दावों और बिहार में चुनावी धांधलियों जैसे मुद्दों पर सरकार से सवाल–जवाब करेगी। कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को सीपीपी की रणनीतिक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल हुए। बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए, राज्यसभा में उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि पार्टी ने आगामी सत्र के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले को लगभग तीन महीने बीत चुके हैं। लेकिन, आतंक वादियों का कोई सुराग नहीं है, वे कहां गायब हो गए? उन्होंने कहा कि लोगों को सुरक्षा प्रदान करने में लापरवाही और ढिलाई बरतने के अलावा, सरकार दोषियों को पकड़ने और उन्हें सजा देने में भी विफल रही है। राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बार–बार किए जा रहे, उन दावों का भी जिक्र किया, जिनमें उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम में मध्यस्थता की थी, जब संघर्ष में भारत की स्थिति प्रमुख थी।

### छात्रा की मौत पर बवाल, सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

ओडिशा, एजेसी। ओडिशा विधानसभा के बाहर उस समय भारी ड्रामा हुआ जब कॉलेज छात्रा द्वारा खुद को आग लगाने के बाद हुई मौत के बाद कई लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। राज्य पुलिस ने प्रदर्शनकारी नागरिकों पर आंसू गैस के गोले और पानी की बौछारें छोड़ीं। प्रदर्शन स्थल से मिले वीडियो में प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड तोड़ने की कोशिश करते और पुलिस बल उन्हें तितर–बितर करने के लिए पानी की बौछारें करते हुए दिखाया गया है। बालासोर के फकीर मोहन स्वायत्त महाविद्यालय में बी.एड. की पढ़ाई कर रही 20 वर्षीय छात्रा ने कथित तौर पर लंबे समय तक यौन उत्पीड़न सहने के बाद परिसर में खुद को आग लगा ली। छात्रा 90 प्रतिशत तक जल गई और सोमवार रात अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), भुवनेश्वर में उसकी मौत हो गई। अपने विभागा ध्यक्ष द्वारा यौन उत्पीड़न की उसकी बार–बार की गई शिकायतों पर कथित तौर पर प्राचार्य और कॉलेज प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया।

## पंचायत चुनाव को देखते हुए कार्य कर्ताओं को संबोधित करेंगे राहुल गांधी

रायबरेली, संवाददाता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के रायबरेली दौरे को देखते हुए प्रशासन की तरफ से सुरक्षा–व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सभी संवेदनशील स्थानों पर बड़ी संख्या में पुलिस बलों को तैनात किया गया है, जो हर प्रकार की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। रायबरेली के जिला अध्यक्ष पंकज तिवारी ने राहुल गांधी के कार्यक्रम की पूरी जानकारी दी। उनके मुताबिक, राहुल गांधी लखनऊ से रायबरेली पहुंचेंगे। इसके बाद वह एनटीपीसी ऊंचाहार में रात्रि विश्राम करेंगे। 17 जुलाई को राहुल गांधी ऊंचाहार विधानसभा के बाबूगंज में बूथ कार्यकर्ताओं के साथ वर्कर्स मीटिंग को संबोधित करेंगे। इसके बाद दोपहर एक बजे रायबरेली शहर में होटल शांति ग्रैंड इन में प्रजापति समाज के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे और शाम चार बजे हरचंदपुर विधानसभा के सतांव ब्लॉक में बूथ लेवल कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करेंगे। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद यह उनका पांचवां रायबरेली दौरा है। अध्यक्ष के मुताबिक, राहुल गांधी आगामी पंचायत चुनाव को देखते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह प्रजापति समुदाय के लोगों से मुलाकात करेंगे। जहां वह उनकी समस्याओं को सुनेंगे और उसका समाधान कैसे किया जाए, इस बारे में उन्हें सुझाव देंगे। पंकज तिवारी के मुताबिक, राहुल गांधी के दौरे को देखते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश का माहौल है। इससे पहले, 20–21 फरवरी को राहुल गांधी रायबरेली दौरे पर गए थे।

## सीडीएस ने दिल्ली में 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्पित प्रदर्शनी का दौरा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को यहां 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्पित एक प्रदर्शनी का दौरा किया। 'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पहलगाम हमले के बाद आतंकवाद के खिलाफ की गई एक निर्णायक सैन्य कार्रवाई थी। सीडीएस ने त्रिवेणी कला संगम की दीर्घा में 'हिमालयरू द जर्नी थ्रू ए कैसकेड आफ कलर्स' विषय पर कलाकार चंद्रनाथ दास द्वारा आयोजित एकल प्रदर्शनी का भ्रमण किया। प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण बगैर शीर्षक का एक तैलचित्र है, जिस पर

कलाकार ने 'सिंदूर' को दर्शाने के लिए वास्तविक सिंदूर का उपयोग किया है, जो 22 अप्रैल को पहलगाम में किए गए आतंकवादी हमले के जवाब में मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम देने वाले सशस्त्र बलों के लिए एक मार्मिक श्रद्धांजलि है।

दास ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, ''सीडीएस ने आज शाम प्रदर्शनी का दौरा किया और कलाकृतियों को देखने में लगभग 30–40 मिनट बिताए। जब उन्हें पता चला कि मैंने इस प्रदर्शनी के लिए विशेष रूप से बनाई गई अपनी पेंटिंग में वास्तविक 'सिंदूर' का इस्तेमाल किया है, तो उन्हें सुख के साथ आश्चर्य हुआ।

## छत्तीसगढ़ विधानसभा ने ऑपरेशन सिंदूर पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया

रायपुर। विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी शासित छत्तीसगढ़ सरकार ने विधानसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर मंगलवार को धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, पहलगांव में हमारी

माता–बहनों का सिंदूर उजाड़ने का काम आतंकवादियों ने किया था। उसके बाद प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में हमारे जवानों ने पाकिस्तान में आतंकवादियों के केंद्र को नेस्तनाबूद कर दिया। हमारी माताओं–बहनों का सिंदूर उजाड़ने का बदला पीएम मोदी के सकुशल मार्गदर्शन में पूरा हुआ। छत्तीसगढ़ विधानसभा में सर्वसम्मति से उनको धन्यवाद दिया गया और धन्यवाद का प्रस्ताव पास किया गया। कांग्रेस विधायकों के बॉयकॉट पर उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी ने धन्यवाद प्रस्ताव पर सदन से बॉयकॉट किया है। वे हर अच्छे काम से दूर भागना चाहते हैं। नक्सल प्रभावित इलाके सुकमा के बच्चों से मुलाकात पर उन्होंने कहा, सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और कांकेर के 103 बच्चे विधानसभा भवन आएं। हमने उनसे पूछा कि कितने बच्चे रायपुर में पहली बार आएं हैं, तो पता चला कि उनमें से एक भी बच्चा पहले रायपुर नहीं आया था। वे सभी तीन दिनों से रायपुर में हैं, यहां के रेलवे स्टेशन देख रहे हैं। बच्चों ने विधानसभा भवन देखा और जंगल सफारी देखी। कई जगहों पर घूमे। आज लोग गांव से निकलकर प्रदेश की राजधानी में आ रहे हैं।

## भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का 97वां स्थापना दिवस कार्यक्रम, शिवराज सिंह चौहान करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) बुधवार को सी. सुब्रमण्यम हॉल, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में अपने 97वां स्थापना दिवस के अवसर पर पुरस्कार समारोह और विकसित कृषि प्रदर्शनी का आयोजन करेगा। इस कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे। आईसीएआर स्थापना दिवस भारत के कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा के प्रमुख संस्थान की स्थापना का प्रतीक है, जो भारतीय कृषि को सुदृढ़ बनाने और खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में इसकी परिवर्तनकारी भूमिका को मान्यता देता है। दशकों से आईसीएआर ने फसल सुधार, पशु

धन एवं मत्स्य विकास, कृषि– जैव प्रौद्योगिकी, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और डिजिटल कृषि के क्षेत्र में नवाचारों का नेतृत्व किया है। इस अवसर पर आईसीएआर राष्ट्रीय कृषि विज्ञान पुरस्कार की प्रस्तुति तथा नए उत्पादों, प्रौद्योगिकियों, प्रकाशनों एवं समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का विमोचन किया जाएगा। 2024–25 में देश अनुमानित 149.1 मिलियन टन के साथ दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक रहा है और वैश्विक चावल व्यापार में 40 प्रतिशत का योगदान करते हुए सबसे बड़ा निर्यातक भी रहा है। भारत दूध उत्पादन में भी पहले स्थान पर रहा, जहां 239.30 मिलियन टन का उत्पादन हुआ और 117.3 मिलियन टन के साथ गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक रहा। बागवानी में भारत के रिकॉर्ड 367.72 मिलियन टन उत्पादन हासिल करने का अनुमान है, जिससे वैश्विक स्तर पर दूसरे सबसे बड़े उत्पादक के रूप में उसकी स्थिति और पुष्ट होती है। इसके अतिरिक्त भारत 2024 में 18.42 मिलियन टन के साथ वैश्विक मछली उत्पादन में दूसरे स्थान रहा है। भारत की कृषि सुदृढ़ता, उत्पादकता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने में आईसीएआर की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती हैं, खाद्य और पोषण सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 अगस्त, 2025 को फसलों की 109 उच्च उपज देने वाली, जलवायु अनुकूल और जैव–फोर्टिफाइड किस्में जारी कीं।

## पुराने वाहनों के निस्तारण पर जांच के आदेश देने की तैयारी में दिल्ली सरकार

नई दिल्ली, एजेसी। दिल्ली में भले ही सरकार ने पुराने वाहनों के लिए लगाया गया ईंधन प्रतिबंध हटा दिया हो लेकिन अभी क्लाइमेक्स का आना बाकि है। माना जा रहा है कि दिल्ली सरकार जल्द ही पुराने वाहनों पर लगाम कसने की तैयारी में हैं। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पिछली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के कार्यकाल के दौरान मियाद पूरी कर चुके वाहनों को हटाने की जांच शुरू करने की योजना बना रही है।

पुराने वाहनों के निस्तारण पर जांच

मंत्री ने कहा कि कई मामलों में उचित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किए जाने के आरोपों के बीच औपचारिक जांच का आदेश दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, कई वाहन मालिकों ने शिकायत दर्ज कराई है कि उन्हें जब्त किए गए वाहनों का कबाड़ मूल्य नहीं दिया गया, जबकि सरकारी निर्देशों में ऐसा मुआवजा देना अनिवार्य है। जांच में यह भी पता लगाया जाएगा कि क्या इनमें से कुछ वाहनों को अवैध रूप से दूसरे राज्यों में ले जाया गया था। सिरसा ने कहा कि संपूर्ण निपटान प्रक्रिया में संभावित चूक, कुप्रबंधन और अनियमितताओं की जांच की जाएगी। वाहन स्क्रैपेज नीति, पुराने और अनुपयुक्त वाहनों को स्क्रैप करके उनकी जगह भारतीय सड़कों पर आधुनिक और नए वाहन लाने हेतु सरकार द्वारा वित्त पोषित एक कार्यक्रम है। इस नीति का प्राथमिक लक्ष्य देश में कम कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अनुपयुक्त और प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने हेतु एक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है। 1 अप्रैल, 2023 से, भारी वाणिज्यिक वाहनों का फिटनेस परीक्षण केवल स्वचालित परीक्षण केंद्रों के माध्यम से ही किया जाएगा।

## असम का मामला देश के बाकी हिस्सों से अलग है – सीएम हिमंत बिस्वा सरमा

गुवाहाटी, एजेंसी। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में संशोधन किया जा रहा है। असम में भी जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं। वहां पर भी मतदाता सूची में संशोधन की मांग उठ रही है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा मतदाता सूची संशोधन के पक्ष में नहीं हैं। गुवाहाटी में एक प्रेस कांफ्रेंस करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ष्मतदाता सूची संशोधन से असम में अवैध प्रवासियों द्वारा जनसांख्यिकीय घुसपैठ को रोकने में मदद नहीं मिलेगी, असम की स्थिति अलग है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को उपायुक्त ने बेदखल किया था, उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। मतदाता सूची संशोधन

जनसांख्यिकीय घुसपैठ को नहीं रोक सकता। असम में नागरिकता की सीमा 1951 नहीं, बल्कि 1971 है। असम का मामला देश के बाकी हिस्सों से अलग है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के बेदखली अभियान के जरिए 2021 से अब तक 1.19 लाख बीघा से अधिक जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया जा चुका है। यह असमिया–बहुल इलाकों में प्रवासियों द्वारा राजनीतिक रूप से पांव जमाने की इस कथित कोशिश को रोकने की दिशा में एक बड़ा कदम है। बेदखली अभियान के दौरान यह पाया गया है कि अतिक्रमणकारी अधिकतर वे लोग हैं।

## पर्यटन आर्थिक सशक्तीकरण, रोजगार सृजन और पलायन रोकने का माध्यम भी – सीएम धामी

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को पर्यटन विभाग की गेम चेंजर योजनाओं की वर्चुअल समीक्षा की। जिसमें पर्यटन नीति–2023 के तहत राज्य में हो रहे निजी निवेश, ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों और स्वरोजगार से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री धामी ने निर्देश दिए कि पर्यटन नीति लागू होने के बाद हुए कुल निजी निवेश, एमओयू की स्थिति एवं उनकी ग्राउंडिंग और विभिन्न पर्यटन योजनाओं में हुए निवेश का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि पर्यटन सिर्फ पर्यटकों की संख्या बढ़ाने का नहीं, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण, स्थानीय रोजगार सृजन और पलायन रोकने का माध्यम है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने शीतकालीन पर्यटन के प्रचार–प्रसार और यात्रियों की सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य का भविष्य पर्यटन आधारित समावेशी विकास में निहित है, जिसे सरकार प्राथमिकता से आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री ने मसूरी और नैनीताल सहित सभी बड़े टूरिस्ट स्पॉट की कैरिंग कैपेसिटी का आकलन किए जाने के साथ नए टूरिस्ट डेस्टिनेशन विकसित करने पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने ने पर्वतीय क्षेत्रों में अधिक से अधिक स्थानीय परिवारों को होम स्टे से जोड़ने, तकनीकी व वित्तीय सहायता सुनिश्चित करने तथा ट्रैकिंग रूट्स के निकट स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए ट्रैकिंग ट्रैक्शन सेंटर होम–स्टे अनुदान योजना को तेजी से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना की भी समीक्षा की और युवाओं को समयबद्ध ढंग से ऋण व अनुदान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने

योजना से प्रेरित युवाओं, होम स्टे से जुड़े गांवों और पलायन में आई कमी का मूल्यांकन भी आवश्यक बताया। सीएम धामी ने गोल्जू कॉरिडोर (अल्मोड़ा, चम्पावत, घोड़ाखाल) के मास्टर प्लान के अंतर्गत कार्य प्रारंभ करने एवं रुद्रप्रयाग के धार्मिक स्थलों को एकीकृत पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित करने के भी निर्देश देते हुए माउंटेन बाइकिंग, पैराग्लाइडिंग, एयरो स्पोर्ट्स, रिवर राफ्टिंग जैसी गतिविधियों के नियमित संचालन के लिए योजना तैयार करने, प्रचार–प्रसार के लिए विशेष बजट प्रस्तावित करने एवं स्थलों की वहन क्षमता का आकलन करने पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने विवाह पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए संभावित स्थलों की पहचान एवं प्रचार–प्रसार के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। श्स्पिरिचुअल इकोनॉमिक जोनश की अवधारणा को साकार करने के लिए गंगोत्री व ध्याणोत्थान क्षेत्र को वेलनेस एवं आध्यात्मिक हब के रूप में विकसित करने के लिए एक माह में कार्ययोजना प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने कहा कि श्गेम चेंजर योजनाएंश न सिर्फ पर्यटन को बढ़ावा दे रही हैं, बल्कि राज्य के नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही हैं। उन्होंने सभी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, अनुदानों के पारदर्शी वितरण और प्राप्त निवेश को जमीनी लाभ में बदलने के निर्देश दिए। सीमावर्ती क्षेत्रों में वाइब्रेंट विलेज योजना के विस्तार की रणनीति तैयार करने एवं पंचायत स्तर पर थीम–आधारित टूरिज्म विलेज विकसित करने पर भी बल दिया गया। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि श्दीन दयाल उपाध्याय गृह आवास योजनाश के अंतर्गत अब तक 1085 लाभार्थियों को लगभग 50 करोड़ रुपए का अनुदान दिया जा चुका है और 5331 होम स्टे पंजीकृत हो चुके हैं। जबकि वर्ष 2025–26 में 245 नए होम स्टे जोड़े जाने का लक्ष्य रखा गया है। योजना को टिहरी, नैनीताल और चमोली जिलों में विशेष सफलता मिली है। इसी प्रकार श्ट्रैकिंग ट्रैक्शन योजनाश के माध्यम से 115 गांवों में 584 स्थानीय लाभार्थियों को जोड़ा गया है तथा 18 ट्रैकिंग सेंटर विकसित किए गए हैं। टिहरी, उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ इसके प्रमुख लाभार्थी क्षेत्र रहे हैं। बैठक में बताया गया कि राज्य में 5 करोड़ रुपए से अधिक की उच्च मूल्य परियोजनाओं को आकर्षित करने और 1 करोड़ से 5 करोड़ रुपए तक के स्थानीय निवेशकों को सहयोग देने के लिए श्पर्यटन उद्यमी प्रोत्साहन योजनाश लागू की गई है। अभी तक एकल खिड़की प्रणाली के तहत 909 आवेदन पंजीकृत हो चुके हैं, जिनमें 70 प्रतिशत निवेशक 5 करोड़ रुपये से कम धनराशि वाले हैं। इस बैठक में पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज, मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, मीनाक्षी सुन्दरम, पर्यटन सचिव धीरज सिंह गर्ब्याल, उत्तराखंड स्थानिक आयुक्त अजय मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# संपादकीय

## अभिव्यक्ति की आजादी

सुप्रीम कोर्ट ने आपत्तिजनक एवं भड़काऊ कार्टून बनाने वाले मध्य प्रदेश के एक कार्टूनिस्ट को राहत देते हुए जो चेतावनी दी, वह महत्वपूर्ण है। यह कार्टून केवल इसलिए आपत्तिजनक नहीं था कि उसमें प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को चित्रित किया गया था, बल्कि इसलिए भी था, क्योंकि वह धार्मिक भावनाओं को भी आहत करने वाला था।

संभवतः इसी कारण सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कार्टूनिस्ट के खिलाफ सरकार दंडात्मक कार्रवाई करने को स्वतंत्र है। इस कार्टूनिस्ट के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने और दो समुदायों के बीच बैर पैदा करने का मामला दर्ज किया गया था। कार्टूनिस्ट को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट से भी राहत नहीं मिली थी। पिछले दिनों इसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा था कि नागरिकों को पता होना चाहिए कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का क्या महत्व है और इस अधिकार के नाम पर आनलाइन मीडिया में कुछ भी पोस्ट नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसी ही टिप्पणी हिंदू देवी–देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले एक व्यक्ति के मामले की सुनवाई करते हुए भी की थी। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता असीम नहीं हो सकती। इस अधिकार का उपयोग जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए, लेकिन सोशल मीडिया कहे जाने वाले आनलाइन प्लेटफार्म पर लोग कुछ भी आपत्तिजनक, भड़काऊ कह देते हैं और फिर अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर उसका बचाव भी करते हैं। कई बार खुद को सेक्युलर एवं लिबरल कहलाने वाले लोग, कथित बुद्धिजीवी एवं नेता अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की मनमानी व्याख्या करते हैं।

ऐसे ही लोग प्रायरू ढोंग भी करते हैं। यह किसी से छिपा नहीं कि जब तमिलनाडु सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म को लेकर बेहद भद्दी और भड़काऊ टिप्पणी की थी तो सेक्युलर नेताओं और बुद्धिजीवियों को कुछ बोलते नहीं बन रहा था। वे उदयनिधि की आलोचना करने को तैयार नहीं थे।

ऐसे दोहरे मापदंड वाले लोगों को बेनकाब करने की आवश्यकता है। है कि एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि का संचालन करने वाली कंपनियों को भी जवाबदेह बनाया जाए। कई बार ये कंपनियां भी दोहरे मानदंडों का परिचय देते हुए दिखती हैं।

निश्चित रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कुछ अप्रिय कहने का अधिकार देती है, लेकिन इसकी भी अपनी एक सीमा है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे को तय करना आसान काम नहीं, लेकिन इस स्वतंत्रता का दुरुपयोग न होने पाए, इसके लिए सुप्रीम कोर्ट को कुछ करना होगा।

उचित होगा कि वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संदर्भ में कुछ दिशा–निर्देश तय करे।

## विश्लेषण से कई बड़ी बातें सामने आईं

विकास

जयशंकर का फोकस भारत की वसुधैव कुटुंबकम की नीति और आत्मनिर्भर भारतश के विजन को क्षेत्रीय सहयोग से जोड़ने पर रहा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि साझा विकास तभी संभव है जब क्षेत्र में शांति और आतंकवादमुक्त माहौल हो।

चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के भाषण ने एक बार फिर यह साफ कर दिया कि दोनों देशों के बीच भले ही मंच साझा हो, लेकिन उनके दृष्टिकोण, प्राथमिकताएं और वैश्विक भूमिका को लेकर सोच में गहरी खाई कायम है। जहां भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर का वक्तव्य एक परिपक्व, आत्मविश्वासी और वैश्विक दृष्टिकोण से परिपूर्ण था, वहीं पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार का भाषण पुरानी शिकायतों, पाकिस्तान की विक्टिम कार्ड वाली छवि और कश्मीर के घिसे–पिटे मुद्दों के इर्द–गिर्द ही सिमटा रहा।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने भाषण में एससीओ की प्रासंगिकता, क्षेत्रीय स्थिरता और आतंकवाद के खिलाफ साझा जिम्मेदारियों पर जोर दिया। उन्होंने न सिर्फ भारत की उभरती हुई वैश्विक भूमिका को रेखांकित किया, बल्कि इस मंच के माध्यम से पाकिस्तान सहित सभी पड़ोसी देशों को स्पष्ट संदेश भी दिया कि आतंकवाद और सीमा–पार हिंसा किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत की कार्रवाई को उचित ठहराते हुए जयशंकर ने एससीओ को आतंकवाद और चरमपंथ से निपटने के अपने स्थापना उद्देश्य से नहीं भटकने की सलाह भी दी। साथ ही जयशंकर का फोकस भारत की वसुधैव कुटुंबकम की नीति और आत्मनिर्भर भारत के विजन को क्षेत्रीय सहयोग से जोड़ने पर रहा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि साझा विकास तभी संभव है जब क्षेत्र में शांति और आतंकवादमुक्त माहौल हो। ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक सहयोग, कनेक्टिविटी और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर भारत के रुख ने एक जिम्मेदार और परिपक्व वैश्विक शक्ति की छवि भी पेश की।

दूसरी ओर, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार का भाषण कहीं न कहीं भारत के विरुद्ध पूर्व निर्धारित एजेंडे और पुराने दावों का ही विस्तार प्रतीत हुआ। इशाक डार ने अप्रत्यक्ष रूप से कश्मीर का मुद्दा उठाकर इसे अंतर्राष्ट्रीय मंच पर घसीटने की कोशिश की, जबकि एससीओ का मापदंड है कि यह मंच द्विपक्षीय विवादों के लिए नहीं, बल्कि साझा क्षेत्रीय हितों के लिए है। डार के भाषण में पहलगाम हमले से पल्ला झाड़ने, भारत के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाने और भारत के साथ संवाद की आवश्यकता भी जताने जैसी बातें मुख्य बिंदू रहीं। इशाक डार ने कहा कि पिछले तीन महीनों में दक्षिण एशिया में ''बेहद परेशान करने वाली घटनाएं'' हुईं। इशाक डार ने कहा, ''पाकिस्तान संघर्ष–विराम और स्थिर क्षेत्रीय संतुलन कायम करने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है। हालांकि, हम यह स्वीकार नहीं कर सकते कि बल का मनमाना प्रयोग सामान्य हो जाए।'' देखा जाये तो पाकिस्तान एक ओर खुद को पीड़ित दिखाने की कोशिश करता रहा, वहीं दूसरी ओर क्षेत्रीय स्थिरता और विकास की बातें करता रहा, जो उसकी नीति में अंतर्विरोध को ही उजागर करता है।

भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के भाषण पर गौर करेंगे तो एससीओ मंच पर दोनों देशों के दृ ष्टिकोण में जमीन –आसमान का फर्क दिखाई देगा। जहां भारत आर्थिक विकास, आतंकवाद के विरुद्ध एकजुटता और क्षेत्रीय स्थिरता की बात कर रहा था, वहीं पाकिस्तान अब भी कश्मीर राग और भारत–विरोध ी विमर्श में उलझा हुआ दिखा। भारत वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, तो पाकिस्तान अब भी अपनी पहचान और अस्तित्व की राजनीति में उलझा है। इस बैठक से स्पष्ट हो गया कि पाकिस्तान अपने पुराने एजेंडे से बाहर आने को तैयार नहीं है जबकि भारत हर वैश्विक मंच पर रचनात्मक, समाधानपरक और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है।

हम आपको यह भी बता दें कि एससीओ के शीर्ष नेताओं की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाग लेने की संभावना है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बताया है कि 20 से अधिक देशों के नेता और 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख अगले महीने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के तियानजिन शिखर सम्मेलन एवं संबंधित कार्यक्रमों में भाग लेंगे। एससीओ तियानजिन शिखर सम्मेलन 31 अगस्त से एक सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और एससीओ सदस्य देशों के अन्य नेताओं के इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने की संभावना है। यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सम्मेलन में जाते हैं तो सबकी निगाहें खासतौर पर भारत और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के भाषण पर लगी रहेंगी।

बहरहाल, एससीओ जैसे मंच पर भारत और पाकिस्तान के दृ ष्टिकोण में दिखा अंतर महज भाषणों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दोनों देशों की व्यापक विदेश नीति और भविष्य के कूटनीतिक रास्तों का संकेतक भी है।

भारत जहां अपने आत्मविश्वास, आर्थिक मजबूती और वैश्विक भूमिका के आधार पर भविष्य गढ़ रहा है, वहीं पाकिस्तान अब भी अतीत के नारों में फंसा है। यह बैठक एक बार फिर यह सिद्ध कर गई कि भारत आज न केवल दक्षिण एशिया बल्कि ग्लोबल साउथ के लिए भी भरोसेमंद नेतृत्वकर्ता है। जबकि पाकिस्तान की भूमिका अब केवल एक विरोध और शिकार के नैरेटिव तक सीमित हो चुकी है।

## टैरिफ युद्ध अमेरिका पर ही भारी पड़ सकता है

राहुल

पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी।

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही दुनिया के लगभग समस्त देशों के साथ ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है। अमेरिका में विभिन्न देशों से होने वाले आयात पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर एवं टैरिफ की दरों में बार बार परिवर्तन कर तथा इन टैरिफ की दरों को लागू करने की तिथि में परिवर्तन कर ट्रम्प प्रशासन टैरिफ युद्ध को किस दिशा में ले जाना चाह रहा है, इस सम्बंध में अब स्पष्टता का पूर्णतः अभाव दिखाई देने लगा है। अब तो विभिन्न देशों को ऐसा आभास होने लगा है कि अमेरिकी प्रशासन विभिन्न देशों पर टैरिफ की दरों के माध्यम से अपना दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है ताकि ये देश अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अमेरिकी शर्तों पर शीघ्रता के साथ सम्पन्न करें।

राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा कई बार यह घोषणा की गई है कि भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही सम्पन्न किया जा रहा है। अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिनिधि ा मंडल अमेरिका में गया था तथा निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहा एवं ऐसा कहा जा रहा है कि द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा रही है। हालांकि, इस बीच अमेरिका द्वारा कई देशों के विरुद्ध टैरिफ की दरों को बढ़ा दिया गया है। विशेष रूप से जापान एवं दक्षिणी कोरिया से अमेरिका को आयात होने वाली वस्तुओं पर 1 अगस्त 2025 से 25 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया जाएगा। इसी प्रकार, 12 अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर भी टैरिफ की बढ़ी हुई नई दरें लागू किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। इस सम्बंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। इस सूची में भारत का नाम शामिल नहीं है। पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। साथ ही, चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी। अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था। जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को तुरंत कम कर दिया। अमेरिका द्वारा इसी प्रकार का एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ भी सम्पन्न किया जा चुका है। पूर्व में, ट्रम्प प्रशासन ने 90 दिवस की अवधि में 90 देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने की बात कही थी तथा 90 दिवस की समयावधि 9 जुलाई को समाप्त होने के पश्चात भी केवल दो देशों ब्रिटेन एवं चीन के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता सम्पन्न हो सका है। भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा चुका है परंतु इसकी अभी तक घोषणा नहीं की गई है। द्विपक्षीय समझौते के लिए शेष देशों पर दबाव बनाने की दृष्टि से ही इन देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों को एक बार पुनः बढ़ाये जाने का प्रस्ताव है और इन बढ़ी हुई दरों को 1 अगस्त 2025 से लागू करने की योजना बनाई गई है।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वैश्विक मंच पर न तो अमेरिका के टैरिफ की दरों में वृद्धि सम्बंधी निर्णयों की आलोचना की है और न ही भारत में अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने की ध मकी दी है। बल्कि, भारत ने तो अमेरिका से आयात होने वाली कुछ विशेष वस्तुओं पर टैरिफ को कम कर दिया है। दरअसल, भारत इस समय विकास के उस चक्र में पहुंच गया है जहां पर भारत को अपना पूरा ध्यान आर्थिक क्षेत्र को आगे बढ़ाने पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। भारत को यदि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करना है तो आगे आने वाले लगभग 20 वर्षों तक लगातार लगभग 8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को बनाए रखना अति आवश्यक है। इसलिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत अपने आर्थिक विकास पर अपना ध यान केंद्रित करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत के रूस के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो अमेरिका से भी अपने सम्बन्धों को सामान्य बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है। भारत के इजराइल के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो ईरान के साथ भी भारत के व्यापारिक सम्बंध हैं। रूस एवं यूक्रेन युद्ध के बीच भी भारत ने दोनों देशों के साथ अपना संतुलित व्यवहार बनाए रखा है। इसी कड़ी में, चीन के साथ भी आवश्यकता अनुसार बातचीत का दौर जारी रखा जा रहा है, बावजूद इसके कि कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत के विरुद्ध कार्य करता हुआ दिखाई देता है।

अभी हाल ही में चीन ने भारत को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) की आपूर्ति पूर्णतरू रोक दी है।

# .......... विविध ..........

## सावन में करें पशुपतिनाथ के दर्शन, जानिए कम बजट में नेपाल यात्रा की पूरी गाइड

नेपाल यात्रा के लिए बजट की चिंता है तो यह लेख आपके काम का है। यहां भारतीयों के लिए कम पैसों में नेपाल यात्रा और पशुपतिनाथ मंदिर तक पहुंचने की पूरी जानकारी दी जा रही है।

सावन का महीना शिव भक्तों के लिए सबसे पवित्र समय माना जाता है। इस माह शिवालयों, ज्योतिर्लिंगों और शिव मंदिरों में भक्तों की

अत्यधिक भीड़ आती है। सभी भगवान शिव के दर्शन और पूजन करना चाहते हैं। हालांकि भारतीय अगर विदेश में स्थित शिव मंदिरों के दर्शन की इच्छा रखते हैं तो नेपाल स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन के लिए भी जा सकते हैं। यह मंदिर भगवान शिव के सबसे प्राचीन और महत्वपूर्ण मंदिरों में से एक है। काठमांडू में बागमती नदी के किनारे स्थित यह मंदिर न्छम्ब्ब् वर्ल्ड हेरिटेज साइट भी है।सावन सोमवार और महाशिवरात्रि पर यहां भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। भारतीयों के लिए नेपाल की यात्रा वीजा फ्री है। ऐसे में वह आसानी से पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन और पूजन कर पाएंगे। यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि नेपाल के सबसे प्रसिद्ध और पवित्र स्थलों में से एक है। यात्रा के लिए बजट की चिंता है तो यह लेख आपके काम का है। यहां भारतीयों के लिए कम पैसों में नेपाल यात्रा और पशुपतिनाथ मंदिर तक पहुंचने की पूरी जानकारी दी जा रही है।

पशुपतिनाथ मंदिर काठमांडू में है। यहां आप दिल्ली से ट्रेन, फ्लाइट या बस के माध्यम से पहुंच सकते हैं। बजट में यात्रा के लिए ट्रेन का विकल्प अपनाएं। दिल्ली समेत कई मुख्य शहरों से रक्सौल रेलवे स्टेशन के लिए ट्रेन चलती है। दिल्ली के आनंद विहार से शाम पांच बजे सत्याग्रह एक्सप्रेस रक्सौल तक चलती है। रक्सौल रेलवे स्टेशन से ऑटो रिक्शा के माध्यम से नेपाल बॉर्डर तक पहुंच सकते हैं।यहां आप भारतीय रुपयों को नेपाल की करेंसी में एक्सचेंज करा सकते हैं। नेपाल बॉर्डर पहुंचकर काठमांडू के लिए बस या टैक्सी बुक कर लें।

इसके अलावा गोरखपुर पहुंचकर यहां से सनोली तक बस यात्रा करें जो आपको नेपाल बॉर्डर पहुंचा देगी और फिर काठमांडू के लिए यहां से बस मिल जाएगी। हालांकि अगर फ्लाइट से जाना चाहते हैं तो दिल्ली से काठमांडू के लिए

सीधी हवाई सेवा है। काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से शहर महज 5 किलोमीटर की दूरी पर है। दिल्ली से रक्सौल तक रेल किराया लगभग 500 रुपये और गोरखपुर से सनोली बॉर्डर तक बस या शेयर टैक्सी का किराा 150 से 200 रुपये। नेपाल बोर्डर तक पहुंचने में कुल 700 रुपये तक व्यय हो सकता है। बॉर्डर से काठमांडू की लोकल बस 500 से 700 रुपये में मिल जाएगी। सनोली बॉर्डर से काठमांडू पहुंचने में करीब 10–12 घंटे लगते हैं।

काठमांडू में बजट होटलों में 600 से 1000 रुपये प्रति रात में अच्छे कमरे मिल जाते हैं। धर्मशालाओं में 200 से 300 रुपये में रहने की व्यवस्था हो जाएगी। यहां खान–पान में 500 से 700 रुपये व्यय करने पड़ सकते हैं।

अगर आप पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन के लिए नेपाल की तीन दिन और दो रातों की यात्रा कर रहे हैं तो 2000 से तीन हजार रुपये प्रति व्यक्ति अनुमानित खर्च आ सकता है।

पशुपतिनाथ मंदिर प्रतिदिन सुबह 4 बजे से रात्रि 9 बजे तक खुलता है। सुबह चार बजे की आरती में शामिल होना न भूलें। दोपहर और शाम पांच बजे मंदिर के पट बंद कर दिए जाते हैं। दर्शन के लिए सबसे उत्तम समय सुबह या फिर देर शाम है। पूरे मंदिर परिसर के भ्रमण में एक से डेढ़ घंटे का वक्त लगता है।

पशुपतिनाथ मंदिर देवपाटन गांव बागमती नदी के किनारे स्थित है। यहां भगवान शिव की एक पांच मुख वाली मूर्ति भी है। मान्यता है कि पशुपतिनाथ मंदिर का ज्योतिर्लिंग पारस पत्थर के समान है। भगवान शिव की पंचमुखी मूर्ति तक पहुंचने के लिए चार दरवाजे हैं, जो चांदी के हैं। पशुपतिनाथ ज्योतिर्लिंग को केदारनाथ मंदिर का आधा भाग माना जाता है।

कहा जाता है कि जो भी पशुपतिनाथ के दर्शन के लिए आता है, उसे किसी भी जन्म में पशु की योनि नहीं मिलती है।

ध्यान रखें कि दर्शन के लिए जाएं तो शिवलिंग से पहले नंदी जी के दर्शन न करें। मंदिर परिसर में ही बासुकीनाथ मंदिर, उन्मत्त भैरव मंदिर, सूर्य नारायण मंदिर , कीर्ति मुख भैरव मंदिर, 184 शिवलिंग मूर्तियां और बूंदा नीलकंठ मंदिर आदि मौजूद हैं।

## बरसात में चखना है कोरियन स्वाद, 10 मिनट में बनाएं यह विदेशी चीला

अगर आप भी कोरियन स्नैक्स ट्राई करना चाहते हैं तो मानसून में हल्का और क्रिस्पी कोरियन स्टाइल पैनकेक परफेक्ट विकल्प है। घर पर बैठकर कोरियन सीरीज का लुत्फ उठा रहे हों और बारिश शुरू हो जाए। ऐसे में भूख लगना और कुछ क्रिस्पी और चटपटा खाने का मन करना लाजमी है। लेकिन कोरियन ड्रामा देखने के बाद बरसात में पकौड़े नहीं, बल्कि हॉट पॉट, किमची और डिपलिंग समेत वो सब खाने का मन करता है तो सीरीज में एक्ट्रेस अपने उप्पा के साथ खा रही होती है।

अगर आप भी कोरियन स्नैक्स ट्राई करना चाहते हैं तो मानसून में हल्का और क्रिस्पी कोरियन स्टाइल पैनकेक परफेक्ट विकल्प है। यह झटपट तैयार हो जाने वाला स्नैक है जो आपको स्ट्रीट फूड का स्वाद देगा। कोरियन पैनकेक को च्रमवद कहा जाता है, और इसे आप सब्जियों के साथ या बिना भी बना सकते हैं। इसमें खास बात यह है कि यह पैन फ्राय होता है और बहुत कम तेल में क्रिस्पी बनता है।

कोरियन पैनकेक बनाने की सामग्री

एक कप मैदा

दो चम्मच चावल का आटा

आधा कप बारीक कटी हरी प्याज

बारीक कटा गाजर, शिमला मिर्च पत्ता गोभी

दो कलियां कद्दूकस की हुई लहसुन

नमक

एक चम्मच सोया सॉस

घोल बनाने के लिए एक कप पानी

तलने के लिए रिफाइंड ऑयल, तेल या घी

कोरियन पैनकेक कैसे बनाते हैं?

स्टेप 1– एक कटोरे में मैदा, चावल का आटा, नमक और पानी डालकर पतला घोल बनाएं।

स्टेप 2– इसमें सारी कटी सब्जियां, लहसुन और सोया सॉस मिलाएं।

स्टेप 3– एक नॉनस्टिक तवा गरम करें और थोड़ा सा तेल डालें।

स्टेप 4– अब घोल को पैन में डालें और चम्मच से थोड़ा फैला दें, जैसे चीला या डोसा फैलाते हैं।

स्टेप 5– दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन और क्रिस्पी होने तक सेकें।

स्टेप 6– चटनी या हॉट सॉस के साथ गर्मागर्म परोसें।

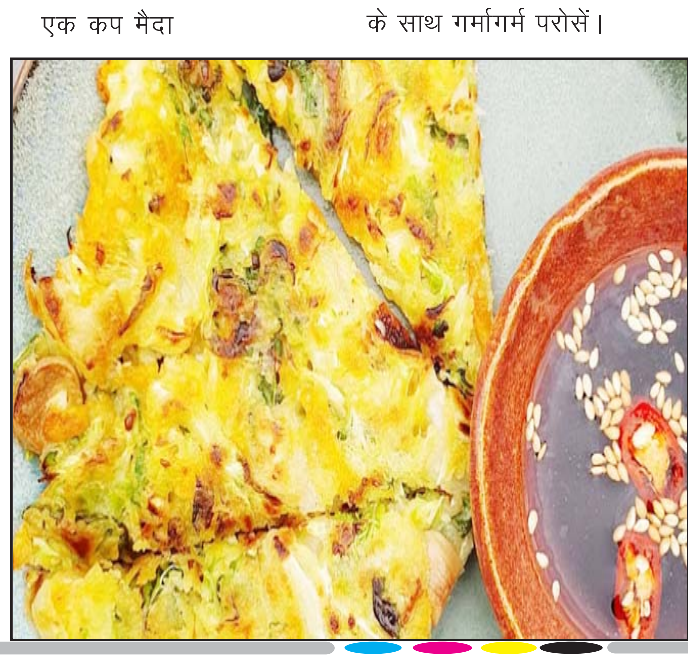

## क्या आपने भी कम कर दिया है भोजन की खुराक

अक्सर लोग अपना वजन कम करने के लिए या फिटनेस मेंटेन रखने के लिए अपने भोजन की मात्रा कम कर देते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक ये आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। आइए इस लेख में डॉक्टर से जानते हैं कि आहार में बदलाव करने का सही तरीका क्या है?

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई फिट और स्वस्थ रहना चाहता है, और इसके लिए अक्सर लोग सबसे पहले अपने वजन को कम करने पर ध्यान देते हैं। अब वजन कम करने के लिए लोग तरह–तरह के तरीके अपनाते हैं। ऐसे में दिमाग में सबसे पहला विचार यही आता है कि क्यों न खाने की मात्रा को एकदम से कम कर दिया जाए। यही सोचकर, बहुत से लोग अपनी डाइट से भोजन की खुराक अचानक घटा देते हैं, यह मानते हुए कि यह वजन घटाने का सबसे तेज तरीका है। लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि वजन कम करने का यह तरीका, जो दिखने में आसान लगता है, असल में आपकी सेहत के लिए कितना खतरनाक हो सकता है? हेल्थ एक्सपर्ट डॉक्टर मल्हार गाणला जैसे विशेषज्ञ लगातार इस बात पर जोर देते हैं कि भोजन की मात्रा को बेवजह कम करना वजन घटाने का सही तरीका नहीं है, बल्कि इसके कई गंभीर और नुकसानदायक परिणाम हो सकते हैं। आइए इस लेख में हम विस्तार से जानते हैं कि ऐसा करना क्यों घातक है साथ ही ये भी जानेंगे कि वजन को नियंत्रित करने के लिए आहार में किस तरह का बदलाव किया जाना चाहिए। जब आप अचानक अपनी डाइट से खाने की मात्रा कम कर देते हैं, तो सबसे पहले आपके शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने लगती है। हमारे शरीर को ठीक से काम करने के लिए विटामिन, खनिज, प्रोटीन और फाइबर जैसे कई जरूरी पोषक तत्वों की हर दिन जरूरत होती है।

जब आप सिर्फ कैलोरी कम करने के चक्कर में खाने की मात्रा घटा देते हैं, तो आप जाने–अनजाने में इन जरूरी पोषक तत्वों से भी समझौता कर रहे होते हैं। इससे शरीर को जितना पोषण मिलना चाहिए, उतना नहीं मिल पाता, जिससे कमजोरी, थकान, बीमारियों से लड़ने की क्षमता में कमी और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होने लगती हैं।

अचानक भोजन की मात्रा कम करने का दूसरा बड़ा नुकसान यह है कि आपका पेट भरा हुआ महसूस नहीं होता। आयुर्वेद में भी श्सटाइटी रिफ्लेक्स यानी भूख मिटाने का संकेत, जिसका मतलब है कि जब तक हमारा पेट भरा हुआ महसूस नहीं करता, तब तक हमारे दिमाग को यह संकेत नहीं मिलता कि हमने पर्याप्त खा लिया है।

अगर पेट नहीं भरता, तो हमें बार–बार भूख लगती रहती है, जिससे हम बेचैन महसूस करते हैं और कई बार बाद में अधिक मात्रा में खाना खा लेते हैं, जो हमारे वजन कम करने के लक्ष्य को भी फेल कर देता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए पेट का भरा होना और भूख का शांत होना बहुत जरूरी है। डॉक्टर मल्हार गाणला के मुताबिक, वजन कम करने के लिए भोजन की मात्रा कम करना बिल्कुल गलत तरीका है। वे सलाह देते हैं कि अगर आपको कैलोरी कम करनी है, तो उन चीजों को कम खाएं जिनमें कैलोरी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। उदाहरण के लिए, अपनी थाली में से चावल या रोटी की मात्रा कम करें। इसकी बजाय, अपनी थाली में उन चीजों को भरपूर मात्रा में खाएं जिनमें पोषक तत्व अधिक हों और कैलोरी बहुत कम हो।

डॉक्टर मल्हार के अनुसार, अपनी डाइट में दाल, सब्जियां और सलाद जैसी चीजों को भरपूर मात्रा में शामिल करें। ये चीजें फाइबर, विटामिन और खनिज से भरपूर होती हैं और इनमें कैलोरी बहुत कम होती है।

आप इन्हें अपनी थाली में दो–बार भरकर भी खा सकते हैं, जिससे आपका पेट भी भरेगा और भूख भी शांत होगी, लेकिन कैलोरी की मात्रा नियंत्रित रहेगी। इस तरीके से आप अपने शरीर को जरूरी पोषक तत्व भी देते रहेंगे, वजन भी कम होगा, और आपको बार–बार भूख लगने की परेशानी भी नहीं होगी।

# दुनिया के सबसे एडवांस कैमरों से होगी विधानसभा में विधायकों की निगरानी

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी विधानसभा का शीतकालीन सत्र नए एआई सिस्टम की निगरानी में होने की उम्मीद है। इसमें काली सूची में दर्ज नाम और चेहरों को पहचान कर अलर्ट करने की तकनीक भी होंगी।

यूपी विधानसभा जल्द ही दुनिया के सबसे एडवांस कैमरों से लैस होगी। ये कैमरे न केवल चेहरों की पहचान करेंगे बल्कि एक–एक विधायक के क्रियाकलापों की निगरानी भी रखेंगे। इन कैमरों की खासियत दर्जनों की भीड़ में भी चेहरे पहचानने, उनके कामकाज से लेकर गतिविधियों की ऑटोमेटिक रिपोर्ट तैयार करने की होगी।

इस काम के लिए विधानसभा सचिवालय ने ई टेंडर जारी किया है। इसके फाइनल होने के 45 दिन के अंदर कैमरे लगाने होंगे।

विधानसभा के बजट सत्र में अध्यक्ष सतीश महाना ने इस पहल की जानकारी दी थी। उम्मीद की जा रही है कि शीतकालीन सत्र नए एआई सिस्टम की निगरानी में होगा।

विधानसभा के चप्पे–चप्पे को एआई आधारित चेहरा पहचानने के सिस्टम में वीडियो, फोटो और आवाज रिकॉर्ड करने की तकनीक होगी। इस सिस्टम में चेहरा देखकर व्यक्ति की नाम के साथ गणना, समय और तारीख भी प्राप्त की जा सकेगी। विधानसभा क्राउड एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर के दायरे में भी रहेगी। इसके तहत भीड़ में एक–एक चेहरे को पहचानकर उनका नाम सहित रिकॉर्ड सेकेंडों में देखा जा सकेगा। सिस्टम छिपे या अधखुले चेहरों को भी पहचान लेगा। इतना ही नहीं अलग–अलग रंग–रूप में ढले एक व्यक्ति को भी पकड़ लेगा। चाहे इसमें दाढ़ी, मूंछ, चश्मा, हेयरस्टाइल सहित अन्य बदलाव होंगे।

**सभी विधायकों का पूरा ब्योरा दर्ज होगा**

काली सूची में दर्ज नाम और चेहरों को पहचान कर अलर्ट करने की तकनीक भी नए सिस्टम में होगी। डीप लर्निंग डाटा के जरिये सभी विधायकों का पूरा ब्योरा सिस्टम में दर्ज होगा। डिवाइस नाम, वाचलिस्ट, लिंग, तारीख, समय और लोकेशन से भी चेहरों को ढूंढ निकालेगी। पूरा एआई सिस्टम करीब 42 डिवाइस से लैस होगा। नए एआई सिस्टम को विधानसभा मंडप में पहले से स्थापित ऑडियो–वीडियो सिस्टम के साथ तालमेल बैठाना भी आवश्यक होगा। जिस कंपनी का चयन किया जाएगा, उसे पहले से स्थापित उपकरणों के साथ सामंजस्यता का प्रमाण पत्र लेना होगा।

# 7.95 करोड़ के छात्रवृत्ति घोटाले में रिटायर्ड पीसीएस गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। छात्रवृत्ति घोटाले के आरोपी रिटायर्ड पीसीएस अफसर को गिरफ्तार किया गया है। वर्ष 2010 से 2012 के बीच हुए इस घोटाले में ईओडब्ल्यू की ओर से यह पहली गिरफ्तारी है।

7.95 करोड़ के छात्रवृत्ति घोटाले में समाज कल्याण विभाग के पूर्व निदेशक मिश्रीलाल पासवान को महानगर इलाके से गिरफ्तार किया गया है। आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने यह कार्रवाई रुड़की की गुरु नानक एजूकेशन ट्रस्ट को नियम विरुद्ध छात्रवृत्ति देने के मामले में की है।

वर्ष 2010 से 2012 के बीच हुए इस घोटाले में ईओडब्ल्यू की ओर से यह पहली गिरफ्तारी है। पीसीएस अधिकारी मिश्रीलाल वर्ष 2014 में सेवानिवृत्त हो गए थे। 2010 से 2012 के बीच समाज कल्याण निदेशालय में तैनात निदेशक मिश्रीलाल और अन्य कार्मिकों ने गुरु नानक एजूकेशन ट्रस्ट के तत्कालीन ट्रस्टी के साथ मिलीभगत कर छात्रवृत्ति घोटाला किया था। पीजीडीएम कर रहे 336 छात्रों को निर्धारित राशि से अधिक छात्रवृत्ति दी थी। ट्रस्ट द्वारा कई छात्रों का फर्जी प्रवेश दिखाकर छात्रवृत्ति ली गई। इस संबंध में 2019 को थाना एसआईटी, लखनऊ में 6 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था।

फर्जी दस्तावेजों के जरिये छात्रवृत्ति के रुपये हड़पे छात्रवृत्ति घोटाले में शासन के निर्देश पर एसआईटी ने केस दर्ज किया था, जिसमें तत्कालीन समाज कल्याण निदेशक मिश्रीलाल पासवान के साथ तत्कालीन पटल सहायक शिक्षा अनुभाग धर्मेंद्र सिंह,

अधीक्षक शिक्षा अनुभाग डीके गुप्ता व अनिल उपाध्याय (अब मृत), योजना अधिकारी डॉ. मंजूश्री श्रीवास्तव व गुरुनानक एजूकेशन ट्रस्ट के ट्रस्टी गुरु सिमरन सिंह चड्ढा को नामजद किया था। जांच में सामने आया था कि ट्रस्ट में पढ़ रहे अनुसूचित जाति के यूपी के मूल निवासी छात्र–छात्राओं के लिए अनुसूचित जाति दशमोत्तर छात्रवृत्तिध्शुल्क प्रतिपूर्ति की राशि वर्ष 2010–11 व वर्ष 2011–12 में समाज कल्याण निदेशालय से ली गई थी। उत्तराखंड के राज्यपाल / कुलाधिपति के सचिव के जिस पत्र में शैक्षणिक वर्ष 2010–11 और 2012–13 के लिए अस्थायी संबद्धता की स्वीकृति व पीजीडीएम पाठ्यक्रम की 180 सीटों का उल्लेख किया था, उसमें संस्था का नाम हरमिश कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट अंकित था।

## संक्षिप्त खबरें

### कैसरबाग बस स्टैंड में फैली अव्यवस्था, यात्री हो रहे परेशान

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ। कैसरबाग बस स्टैंड पर अव्यवस्थाओं ने पैर पसार रखा है। यात्रियों के प्रवेश से लेकर निकास द्वार तक बाइकें खड़ी रहती हैं। इससे बस पकड़ने आ रहे यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को बस पकड़ने आ रहे यात्रियों को गेट के अंदर खड़े वाहनों के बीच से होकर निकलने में काफी मशक्कत करनी पडी। बरेली जा रहे मंयक ने कहा कि रोडवेज कर्मचारी बाइक खड़ीकर चले जाते हैं। उनकी देखा–देखी आम लोग भी गाड़ियां पार्क कर देते हैं।

वहीं, दोपहर में हुई हल्की बारिश में सड़क पर पानी भर जाने से यात्रियों को गंदे पानी से होकर जाना पड़ रहा था। बस स्टैंड के बाहर गेट के पास सलमान की दुकान में पानी भर गया। नालों की सफाई न होने से बरसात में पानी दुकान में भर जाता है। शिकायत करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

### आज से बिजली शिविर में आइए, तीन दिन पाइए समस्या का हल

लखनऊ, (संवाददाता)। बिजली विभाग ने आपके घर का पुराना मीटर बदलकर नया लगाया, तब से गलत रीडिंग का बिल आ रहा है। आपका बिल जमा, मगर प्रत्येक माह बकाया रकम जोड़ कर बिल भेज रहे। मीटर बदल गया, नया बिल पर नहीं दर्ज हो रहा है। ऐसी समस्याओं का मौके पर ही हल पाने के लिए बृहस्पतिवार को बिजली शिविर में आइए। इस शिविर का आयोजन प्रदेश भर में किया जाएगा।

यूपी पॉवर कॉरपोरेशन ने राजधानी लखनऊ में 45 जगहों पर 17, 18, व 19 जुलाई को बिजली शिविर का आयोजन करने जा रहा है। मुख्य अभियंता रजत जुनेजा, रवि कुमार अग्रवाल, वीपी सिंह, व सुशील गर्ग ने बुधवार संयुक्त रूप से बताया कि ज्यादातर बिजली शिविर अधिशासी अभियंता और उपखंड अधिकारी कार्यालय में सुबह 10 से शाम 6 बजे तक लगेंगे। इस शिविर में गलत बिल की समस्या के साथ खराब मीटर को बदलने, नए कनेक्शन देने सहित अन्य सभी निस्तारण होगा।

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के निदेशक वाणिज्य योगेश कुमार ने बुधवार को बताया कि बिजली शिविर में जो उपभोक्ता आएंगे उनका सबसे पहले 1912 पर पंजीकरण होगा। इस पंजीकरण के बाद उपभोक्ता की समस्या का निराकरण होने पर 1912 पर उसे दर्ज भी किया जाएगा। इस शिविर के लिए शीर्ष स्तर के अफसर भी औचक निरीक्षण कर सकते हैं।

### चार कोर्स के सम सेमेस्टर के परिणाम घोषित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सम सेमेस्टर–2025 परीक्षा के तहत मंगलवार को चार कोर्स के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने पत्र जारी करते हुए एमएसडब्ल्यू, बीयूएमएस और पंच वर्षीय एलएलबी के सम सेमेस्टर के परिणाम घोषित होने की जानकारी दी। अभ्यर्थी वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर विस्तृत परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। परिणाम में किसी तरीके की समस्या अथवा त्रुटि होने पर परीक्षा विभाग में संपर्क किया जा सकता है।

# आखिर नेहरू भवन आने से कतराते हैं राहुल

लखनऊ, (संवाददाता)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की प्रदेश महासचिव प्रियंका गांधी की नेहरू भवन से कई वर्षों से दूरी बनी हुई है। यह कार्यकर्ताओं को खल रही है। इसके अलग– अलग निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। मंगलवार को लखनऊ पहुंचे राहुल गांधी कोर्ट से ही लौट गए। वह बुधवार शाम को फिर रायबरेली पहुंचेंगे और बृहस्पतिवार को विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे, लेकिन प्रदेश मुख्यालय यानी नेहरू भवन नहीं आएंगे। इससे पार्टी के तमाम नेताओं में मायूसी है। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान लखनऊ आए।

वे कुछ पल के लिए प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय (नेहरू भवन) पहुंचे। यहां मीडिया सेंटर का लोकार्पण किया और पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए नए सिरे से तैयार रहने का आह्वान किया। पार्टी के नए और पुराने नेताओं में उम्मीद जगी। लेकिन वे फिर नेहरू भवन लौट कर नहीं आएं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले पदयात्रा के दौरान भी वह अमेठी, रायबरेली होते हुए लखनऊ पहुंचे, लेकिन नेहरू भवन से दूरी बनी रही। रायबरेली से सांसद बनने के बाद वह लगातार लखनऊ से होते हुए रायबरेली जाते हैं। मंगलवार को लखनऊ कोर्ट भी पहुंचे, लेकिन नेहरू भवन से दूरी बनी हुई है।

**प्रियंका के नहीं लौटते का है मलाल**

पार्टी की प्रदेश महासचिव प्रियंका गांधी की भी नेहरू भवन से दूरी हैं। उनकी यह दूरी तमाम नेताओं को कष्ट पहुंचा रही है।

# चहेते नेता को देखने उमड़े समर्थक, भीड़ को संभालने में छूटे पसीने

लखनऊ, (संवाददाता)। सेना के खिलाफ मानहानि कारक टिप्पणी के मामले में आरोपी कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आत्मसमर्पण के दौरान कोर्ट परिसर में खचाखच भीड़ रही। चहेते नेता को देखने और उनसे मिलने के लिए समर्थक उतावले नजर आए। कोर्ट के बाहर, गैलरी और कोर्ट रूम में पैर रखने की भी जगह नहीं थी। भीड़ को संभालने में सुरक्षा एजेंसियों के पसीने छूट गए।

राहुल गांधी के कोर्ट में आत्मसमर्पण करने की जानकारी होने के बाद से ही पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ–साथ वकीलों की भीड़ कोर्ट परिसर के आसपास जमा हो गई। समर्थकों को पता चला कि राहुल गांधी को उनकी सुरक्षा एजेंसियां पुराने हाईकोर्ट के गेट नंबर छह से कोर्ट परिसर में लेकर आएंगी। इसके बाद स्वास्थ्य भवन चौराहे पर उनके समर्थकों ने स्वागत की तैयारी कर दी। वहीं, बहुखंडी भवन के द्वितीय तल पर स्थित एमपीएमएलए कोर्ट के बाहर भारी संख्या में लोग एकत्र हो गए।दोपहर में राहुल गांधी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, विधायक आराधना मिश्रा, पूर्व पार्षद शैलेंद्र तिवारी, अपने वकीलों और समर्थकों के साथ जब कोर्ट परिसर में दाखिल हुए, तब से ही भीड़ उनके साथ–साथ रही। द्वितीय तल स्थित कोर्ट रूम और उसके बाहर की गैलरी समर्थकों से भर गई। कोर्ट रूम के अंदर भी खचाखच भीड़ देखने को मिली। इसकी वजह से न्यायिक अधिकारी भी सुनवाई करने में असहज रहे। भीड़ के चलते दोपहर सवा दो बजे तक राहुल गांधी की ओर से दी गई आत्मसमर्पण और जमानत अर्जी पर सुनवाई नहीं हो सकी। भीड़ में से कुछ लोग न्यायिक अधिकारी की अनुपस्थिति में डायस पर चढ़कर सेल्फी तक ले रहे थे और वीडियो बना रहे थे।

## संक्षिप्त खबरें

### रुदौली मे आयोजित मेगा हेल्थ कैंप मे 228 लाभार्थियों का हुआ रजिस्ट्रेशन

(डॉक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता )

अयोध्या। गुरुवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुशील कुमार बनियान के मार्गदर्शन में ब्लॉक रूदौली मेगा हेल्थ कैंप एवं रूदौली कस्बे में नियमित टीकाकरण का आयोजन किया गया।मेगा हेल्थ कैंप के मुख्य रूप से आए हुए 228 लाभार्थियों को रजिस्ट्रेशन किया गया। एनसीडी कार्यक्रम के अंतर्गत एन सी डी स्क्रीनिंग कैंप, मलेरिया जांच, लैब जांच, आयुष्मान्य भारत के अंतर्गत 42 बुजुर्गों के कार्ड बनाए गए।इसके अलावा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम एवं टेली मानस के टोल फ्री नो 14416 पर कॉल करने पर किसी भी प्रकार की मानसिक समस्या का निदान संभव

है।कॉल निःशुल्क तथा कॉलर को गोपनीयता बनी रहती है।आरबीएसके टीम द्वारा 56 आए हुए रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। सक्रिय क्षय रोगी अभियान के अंतर्गत लोगों को जागरूक किया गया। गर्भवती महिलाओं की जांच एवं परिवार नियोजन के महत्व के में बारे बताया गया साथ ही जनरल ओ पी डी की गई।बच्चों एवं वयस्क का निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया गया साथ ही संबंधित रोगियों को निःशुल्क दवा का वितरण किया गया। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत 254 बच्चो को टीकाकरण किया गया।इस मेगा हेल्थ कैंप में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पी के गुप्ता, प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ पी सी भारती, डिप्टी सीएमओ डॉ संदीप शुक्ला, डिप्टी सीएमओ डॉ दीपक पांडे, डिप्टी सीएमओ डॉ वेद प्रकाश त्रिपाठी, डॉ मनीष डॉ मनीष राय, डी एचईआईओ डी पी सिंह, सुशील वर्मा, सतीश वर्मा, यूनिसेफ के प्रतिनिधि हवलदार सिंह , जेएसआई अनुराग एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रूदौली से अधीक्षक डॉ अर्पणा कोहली,एआरओ सतीश,आशुतोष सिंह, विकास यादव एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

### बिना सीयूईटी वाले छात्रों के लिए खुला दाखिले का रास्ता

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश के लिए पोर्टल खोल दिया है। जिन छात्रों ने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) के जरिये आवेदन नहीं किया था, उन्हें अब 31 जुलाई तक बिना परीक्षा सीधे दाखिला लेने का मौका मिलेगा। विवि के प्रवक्ता डॉ. यशवंत वीरोदय ने बताया कि सीयूईटी का परिणाम अभी जारी नहीं हुआ है, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई सीट खाली न रह जाए।

# कुत्तों की नसबंदी की ट्रेनिंग देगा नगर निगम जरहरा पशु चिकित्सालय

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ के इंदिरा नगर के जरहरा पशु चिकित्सालय में देश का पहला प्रशिक्षण केंद्र बनाया गया है। इसमें 2.5 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। 15 दिन में काम शुरू हो जाएगा।

नसबंदी कर कुत्तों की आबादी कैसे – नियंत्रित की जाए, नगर निगम इसकी ट्रेनिंग देशभर के निकायों को देगा। इसके लिए नगर निगम ने इंदिरानगर के जरहरा पशु चिकित्सालय में ट्रेनिंग सेंटर बनाया है। ट्रेनिंग देने के लिए संस्था का भी चयन हो गया है। 15 दिन में काम भी शुरू हो जाएगा। आवारा कुत्तों के काटने, दौड़ाने के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। कई लोगों की जान भी ऐसे हादसों के कारण जा चुकी है।

कुत्तों की आबादी नियंत्रित करने के लिए और नसबंदी केंद्र बनाने की मांग उठ रही है। प्रदेश में लखनऊ में ही अभी कुत्तों की नसबंदी का केंद्र है। ऐसे और केंद्र बनाए जाएं और प्रदेश भर के नगर निगम और नगरपालिका परिषदों को उसके लिए प्रशिक्षित किया जाए, ताकि वहां भी आवारा कुत्तों की आबादी पर लगाम लगाने के लिए नसंबदी का प्रोग्राम चलाया जा सके। इसके लिए शासन से भी नगर निगम को प्रदेश भर के निकायों को ट्रेनिंग देने के निर्देश दिए गए। इसके बाद नगर निगम ने अब एक और ट्रेनिंग सेंटर बनाया है। यहां प्रदेश के साथ ही देश के दूसरे निकायों को भी कुत्तों की नसंबदी का सेंटर बनाने और उसे संचालित करने के जानकारी दी जाएगी।

मुंबई की संस्था देगी ट्रेनिंगरू नगर निगम के पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा ने बताया कि ट्रेनिंग देने के लिए मुंबई की संस्था ह्यूमन वर्ल्ड फॉर एनीमल वेलफेयर को चुना गया है। यही संस्था कई साल से नगर निगम में कुत्तों की नसबंदी कर रही है। मंगलवार को संस्था के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई है, जिसमें दरों पर बातचीत की जा रही है। डॉ. अभिनव का कहना है कि आवारा कुत्तों की नसंबदी ही की जा सकती है। इसमें यह शर्त है कि नसबंदी करने के बाद कुत्ते को उसी जगह पर छोड़ना होगा, जहां से उसे पकड़ा गया। नसबंदी के लिए मानक हैं कि पशु अस्पताल व स्टाफ प्रशिक्षित हो। अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद राव का कहना है कि सेंटर पर 2.5 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। ट्रेनिंग पर जो खर्च आएगा, वह एनीमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया वहन करेगी। पहला बैच 15 दिन में शुरू हो जाएगा। सेंटर का निर्माण प्रमुख सचिव नगर विकास के विशेष प्रयास से हुआ है। अभी कहीं भी कुत्तों की नसबंदी का ट्रेनिंग सेंटर नहीं है। ट्रेनिंग लेने वाले नगर निगम व कार्यदायी संस्था दोनों से संपर्क कर सकते हैं।

# रेलवे में घूसखोरी रैकेट का बड़ा खुलासाा, सीबीआई ने पांच को किया गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर रेलवे के गति शक्ति प्रोजेक्ट में घूसखोरी के रैकेट का खुलासा करते हुए सीबीआई ने 3 रेलकर्मियों समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर किया है। उनके पास से 3.30 लाख रुपये नकद और बैंक खाते में ली गई रिश्वत की रकम के पुख्ता सुबूत मिले हैं। सभी आरोपियों को मंगलवार को राजधानी स्थित सीबीआई की विशेष अदालत में पेश करने के बाद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वहीं सीबीआई उत्तर रेलवे में असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर केके मिश्रा को तलाश रही है, जो छापे के दौरान फरार हो गया था।

बता दें कि सीबीआई ने सोमवार को हजरतगंज स्थित डीआरएम कार्यालय पर छापा मारने के बाद गति शक्ति प्रोजेक्ट के डिप्टी चीफ इंजीनियर विवेक कुशवाहा, सीनियर सेक्शन इंजीनियर अशोक रंजन, कार्यालय अधीक्षक अंजुम निशा के साथ टैंजेंट इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कर्मचारी जिमी सिंह और कंपनी संचालक प्रवीण सिंह (वाराणसी से) को गिरफ्तार किया था। इससे पहले सीबीआई ने घूसखोरी के इस रैकेट का मुकदमा दर्ज किया था, जिसमें वाराणसी में तैनात छह रेलकर्मी भी नामजद किए थे। इसके बाद सीबीआई ने राजधानी स्थित डीआरएम कार्यालय में छापा मारकर विवेक कुशवाहा के पास से घूस के 2.50 लाख रुपये नकद और अशोक रंजन व अंजुम निशा के पास से 80 हजार रुपये नकद बरामद किए थे। यह रकम उन्हें जिमी सिंह ने दी थी।

**घूस देकर मनमाने बिलों का भुगतान कराता था प्रवीण**

दरअसल, सीबीआई को सूचना मिली थी कि लखनऊ में उत्तर रेलवे और वाराणसी में पूर्वोत्तर रेलवे के 6 रेलकर्मी गति शक्ति प्रोजेक्ट से जुड़े कार्यों के बिल के भुगतान के लिए ठेकेदारों से घूस लेते हैं। दिल्ली की टैंजेंट इंफ्राटेक कंपनी के प्रवीण कुमार सिंह और सिकंदर अली को प्रोजेक्ट के तहत भदोही में कार्य मिला था, जिसके कई बिलों का भुगतान डिप्टी चीफ इंजीनियर विवेक कुशवाहा ने घूस लेकर किया है।

कई अन्य रेलकर्मी भी उससे लगातार घूस लेते हैं। प्रवीण ने अपने कर्मचारी जिमी सिंह के जरिये 21 जून और 26 जून को वाराणसी में राकेश रंजन को 2 लाख रुपये घूस की रकम व्हाट्सएप पर संपर्क कर एक क्लब में सौंपी थी। इसी तरह 28 अप्रैल को अभिषेक गुप्ता ने प्रवीण से 50 हजार रुपये घूस बैंक खाते में ली थी, जो प्रवीण के अकाउंटेंट केशव चौधरी ने जमा की थी। कार्यालय सहायक मनीष भी घूस लेकर बिलों का भुगतान कराता था। प्रवीण की कंपनी का 3 करोड़ रुपये का बिल मंजूरी के लिए एक महिला अधिकारी के पास भेजा गया।

# बर्गर, पेटीज न पहुंचाने के मामले में स्वीगी पर 25 हजार का जुर्माना

लखनऊ, (संवाददाता)। ऑनलाइन माध्यम से भुगतान करने के बाद भी खाने की वस्तुएं न पहुंचाने पर एक उपभोक्ता की शिकायत पर जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग प्रथम ने स्वीगी लिमिटेड को जुर्माना अदा करने का आदेश दिया है।

आदेश में कहा गया है कि परिवादिनी की ओर से भुगतान की गई राशि नौ प्रतिशत ब्याज समेत वापस की जाए। इसके अलावा परिवादिनी को मानसिक व शारीरिक कष्ट के लिए क्षतिपूर्ति के रूप में 20 हजार रुपये और वाद व्यय के लिए पांच हजार रुपये अदा किए जाएं।

इंदिरानगर निवासी ऐश्वर्या वर्मा ने 18 नवंबर 2024 को जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग प्रथम के यहां परिवाद दाखिल किया था। उन्होंने बताया कि 30 अक्तूबर 2024 को घर पर पार्टी के लिए स्वीगी से खाने का सामान ऑर्डर किया था। इसकी कीमत 4,347 रुपये थी। इस राशि का भुगतान यूपीआई के जरिये किया था।

ऐश्वर्या के अनुसार, उन्हें जब ऑर्डर प्राप्त हुआ तो उसमें वेजी बर्गर पेटीज दो पीस, मसाला फ्राइज चार और एक चिकन पेटीज प्राप्त नहीं हुआ था। इसकी कीमत 1,036 रुपये थी।

संबंधित रेस्टोरेंट और स्वीगी लिमिटेड से शिकायत कराने के बाद भी न कार्रवाई हुई और न रुपये लौटाए गए। आयोग में वाद पर पांच जुलाई को निर्णय सुनाया गया।

# नगर विकास राज्य मंत्री के रिश्तेदार की दुकान में 25 लाख की चोरी, 200 ब्रांडेड मोबाइल पार कर दिए

लखनऊ, (संवाददाता)। सीतापुर में नगर विकास राज्यमंत्री के रिश्तेदार की दुकान से 25 लाख रुपये की चोरी हो गई। चोरों ने करीब 200 मोबाइल सेट पार कर दिए।

कोतवाली नगर में मंगलवार देर रात चोरों ने मंडी चौकी के निकट मोबाइल शोरूम को निशाना बनाया। चोरों ने सेंधमारी कर शोरूम में रखे करीब दो सौ मोबाइल सेट पार कर दिए। पुलिस के आलाधिकारी व फोरेंसिंक टीम मौके पर जांच कर रही है।

थाना कोतवाली सीतापुर की मंडी चौकी से महज 200 मीटर की दूरी पर शास्त्री नगर मोड़ पर विनोद राठौर का विनोद ट्रेडर्स के नाम से शोरूम है। बीती रात अज्ञात चोरों ने शोरूम के पूरब की दीवार में सेंधमारी कर दी।

शोरूम में रखे कई ब्रांडेड कंपनियों के करीब दो सौ सेट पार कर दिये। दुकान स्वामी को जब सुबह जानकारी हुई तो मौके पर पहुंचा। विनोद राठौर राज्यमंत्री नगर विकास राकेश राठौर के रिश्तेदार हैं। कोतवाली को सूचना दी गयी है। मौके पर पहुंचे सीओ सिटी अमन सिंह, कोतवाल व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। चोरों ने मोबाइल सेट निकाल कर डिब्बे छत पर ही डाल दिये।

# सरकारी अस्पतालों मे सुरक्षा की जिम्मेदारी अब संभालेंगे भूतपूर्व सैनिक

अयोध्या। अयोध्या के अस्पतालों की सुरक्षा की जिम्मेदारी अब भूतपूर्व सैनिक संभालेंगे। जिला पुरुष चिकित्सालय के अलावा जिला महिला चिकित्सालय,श्री राम अस्पताल अयोध्या धाम सहित पांच सीएचसी पर 77 भूतपूर्व सैनिकों ने कमान संभाली।जबकि भूतपूर्व सैनिक कल्याण परिषद

गोरखपुर के सूबेदार इंद्र भारती को सुपरवाइजर बनाया गया है।देखा जायें तो जिला अस्पताल की सुरक्षा की जिम्मेदारी 21 भूतपूर्व सैनिकों को सौपा गया है। बताते चले कि आउटसोर्सिंग से तैनात सुरक्षा गार्डों का समय समाप्त होने पर उन्हें हटाया गया है।

# पीयूकैट की परीक्षा 18 और 19 जुलाई को आयोजित तैयारियां पूरी : डॉ मिथलेश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 34 पाठ्यक्रमों के लिए पीयूकैट की परीक्षा 18 और 19 जुलाई को आयोजित की जाएगी। परीक्षा परिसर स्थित उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान में होगी। विश्वविद्यालय ने सभी 3308 आवेदकों के प्रवेश पत्र वेबसाइट पर जारी कर दिए हैं। परीक्षा

तीन पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 9 से 11 बजे तक, दूसरी पाली दोपहर 12 से 2 बजे तक और तीसरी पाली शाम 3 से 5 बजे तक चलेगी। कुल 1480 सीटों के लिए प्रवेश मेरिट और परीक्षा के आधार पर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय में बीटेक के 10 कार्यक्रमों के अलावा एमबीए, एमएफसी, एमबीई, बीसीए, बीबीए, एमसीए, इंटीग्रेटेड एमसीए, डीफार्मा, बीए एलएलबी और बीएससी बॉयोटेक्नोलाजी समेत विभिन्न पाठ्यक्रम शामिल हैं। अभ्यर्थी अपनी लॉगिन आईडी से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। इस संबंध में गुरुवार को हिंदुस्थान समाचार से बात करते हुए पीयू कैट संयोजक डॉ. मिथिलेश सिंह ने बताया कि परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रवेश परीक्षा के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर में संचालित सभी पाठ्यक्रमों में दाखिला दिया जाएगा। परिक्षार्थी अपना प्रवेश पत्र वेबसाइट पर डाउनलोड कर सकते है।

# ट्रेलर और ट्रैक्टर की भीषण टक्कर, चालक की मौके पर मौत, दो सवार गंभीर घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। खेतासराय थाना क्षेत्र अंतर्गत गुरैनी पेट्रोल पंप के पास बुधवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रेलर ने सामने से आ रहे ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ट्रैक्टर चालक की मौके पर मौत हो गई जबकि दो अन्य सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों घायल व मृतक अंबेडकर नगर जिले के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार हादसा बुधवार रात करीब 9रू30 बजे हुआ, जब ट्रैक्टर सवार तीनों व्यक्ति जौनपुर पुलिस लाइन में ईंट उतारकर अपने जिले अंबेडकर नगर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रेलर (न्च 62 ब्ज 4139) ने जोरदार टक्कर मार दी।मृतक की पहचान महेंद्र (28) के रूप में हुई।हादसे में ट्रैक्टर चला रहे महेंद्र पुत्र नोहरलाल (28), निवासी अमीनपुरवा, थाना इब्राहिमपुर अंबेडकर नगर की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों के अनुसार मृतक की दो वर्षीय बेटी है और घटना के बाद पत्नी का रो–रोकर बुरा हाल है।हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए दो अन्य लोगों की पहचानचिरजो पुत्र मगरु (74), निवासी दराफपुर,राजकुमार पुत्र रामदुलार, निवासी भरौली, थाना जलालपुर के रूप में हुई है। दोनों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्चरी भिजवा दिया है। थाना प्रभारी रामाश्रय राय ने बताया कि ष्मृतक की पहचान हो चुकी है, परिजनों द्वारा तहरीर दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, मामले की जांच कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

# अनुपस्थित रहने पर प्रधानाचार्य सहित तीन कर्मियों का एक दिन का वेतन रोकने का डीआईओएस ने दिए निर्देश

अयोध्या।गुरुवार को जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 पवन कुमार तिवारी ने राजकीय बालिका इण्टर कालेज सलोनियां एवं राजकीय बालिका इण्टर कालेज गौहनियां औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान तारावती वर्मा प्रधानाचार्या,व अमरजीत यादव कनिष्ठ सहायक राजकीय बालिका इण्टर कालेज सलोनियां अनुपस्थित पाई गई।इसके अलावा अनिल कुमार कनिष्ठ सहायक राजकीय बालिका इण्टर कालेज गौहनियां भी अनुपस्थित पाये गए।अनुपस्थित पाए गये इन तीनो कार्मिकों का अनुपस्थित होने के कारण एक दिन का वेतन स्थगित करने के निर्देश प्रदान किए गये।इस मौके पर उन्होंने विद्यालय में शैक्षिक कैलेण्डर के अनुरूप पाठ्य क्रम पूरा करने हेतु शिक्षकों को निर्देशित किया गया विद्यालय में हो रहे मल्टीपरपज हाल के निर्माण की निरीक्षण किया तथा निर्माण इकाई को गुणवत्तापूर्वक निर्माण समयार्न्तगत पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए गये।

# स्वच्छता रैंकिंग में अयोध्या नगर ने लगाई लंबी छलांग, 28वें पायदान पर पहुंचा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। स्वच्छ भारत मिशन 2024– 25 के सर्वे में पूरे देश में 28 वीं रैंक हासिल कर अयोध्या ने स्वच्छता के पैमाने पर पूरे देश में लंबी छलांग लगाई है। वर्ष 2022–23 में अयोध्या रैंकिंग के मामले में 100वें पायदान पर था। स्वच्छ भारत मिशन की इस उपलब्धि पर महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी एवं नगर आयुक्त श्री जयेंद्र कुमार ने मिशन से जुड़ी टीम की सराहना की है। अयोध्या नगर निगम ने लगातार चार वर्षो से स्वच्छता के पैमाने पर अपनी रैंकिंग में निरंतर सुधार किया है। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के दौरान अयोध्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ आने के चलते आई चुनौती के बावजूद इस बार उसकी रैंकिंग पूरे देश में 28 वीं रही। उसे इस वर्ष मई माह में हुए स्वच्छता सर्वक्षण के कुल पूर्णांक 12500 में 9291 अंक मिले, जो 74 फीसदी रहा, जबकि वर्ष 2023 में उसे 73 फीसदी अंक प्राप्त हुए थे और उसकी रैंकिंग 100वीं थी।वर्ष 2022 में हुए सर्वे में अयोध्या नगर निगम को कुल 53 फीसदी अंक प्राप्त हुए थे और उसकी रैंकिंग 120

वीं थी।इसके पहले 2021 में नगर निगम 158 वें पायदान पर था।नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरएम शुक्ल ने बताया कि मई माह में हुए सर्वे में 28 इंडिकेटर पर स्वच्छता की हकीकत परखी गई थी। इसमें डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन एवं उसका निस्तारण, नगर में प्रतिदिन निकलने वाले कूड़ा और उसका प्रबंधन, व्यावसायिक क्षेत्र की स्वच्छता, फुटपाथ की स्वच्छता, पेयजल की स्वच्छता, शौचालय की स्वच्छता सर्वे में शामिल था। उन्होंने बताया कि सर्वे दल ने नागरिकों से बातचीत कर उनकी राय भी जानी थी। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडे ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के प्रभारी सहायक नगर आयुक्त गुरु प्रसाद पांडेय एवं मंडल कार्यक्रम प्रबंधक वैभव पांडे की निगरानी में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान को कामयाब बनाने में मुख्य सफाई निरीक्षक राजेश झा एवं कमल कुमार, स्वच्छ भारत मिशन के कोऑर्डिनेटर सूर्य प्रताप सिंह,जिओ स्टेट अनुराग मौर्य ऋषि सिंह, सौरव यादव तथा अन्य कर्मचारियों की अहम भूमिका रही।महंत गिरीशपति त्रिपाठी, महापौर ने बताया

कि राम नगरी मे हर वर्ष लाखों श्रद्धालुओं के निरंतर आगमन के बावजूद नगर को स्वच्छ बनाये रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान में नगर निगम की टीम ने जो भूमिका निभाई है, वह काबिल–ए–तारीफ है। उम्मीद है कि अगले सर्वे में हम रैंकिंग श्रेष्ठतम स्थान हासिल करेंगे।नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने बताया कि स्वच्छता रैंकिंग में 28 वां स्थान हासिल होना नगर निगम के लिए बड़ी उपलब्धि है। यह उपलब्धि स्वच्छता मिशन से जुड़े सभी कर्मचारियों की कड़ी मेहनत का परिणाम है।उम्मीद है कि निरंतर योजनाबद्ध ढंग से सफाई कर हम उच्च पायदान प्राप्त करेंगे।

# निरीक्षक आरपीएफ ने सुरक्षा कर्मियों सहित चलाया चेकिंग अभियान

अयोध्या। बुधवार की शाम उच्चाधिकारियों के निर्देश पर श्रावण मास,कांवड़ मेला व सावन झूला मेला के तहत श्रद्धालुओं एवं रेल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर आरपीएफ निरीक्षक हरीश कुमार शाही ने उप निरीक्षक जीआरपी जीतेन्द्र कुमार व सुरक्षा कर्मियों के साथ कैंट रेलवे स्टेशन परिसर के साथ–साथ इस प्लेटफार्म से होकर गुजरने वाली ट्रेनों मे सघन चेकिंग अभियान चलाया।इस मौके पर उन्होंने अयोध्या कैंट स्टेशन पर सभी प्लेटफॉर्मो,पीआरएस, प्रतीक्षा रुम, ,सर्कुलेटिंग एरिया, रेलवे पार्किंग स्टैंड, टिकट काउंटर हाल, में चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग अभियान के दौरान उन्होंने ट्रेनों तथा स्टेशन परिसर के अंदर अपने गंतव्य स्थान को जाने वाले रेल यात्रियों के सामानों की सघनता पूर्वक चेकिंग किया।वहीं ट्रेनों के अंदर जाकर उन्होंने सुरक्षा कर्मियों के साथ रेल यात्रियों के सामानों का निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने वहां पर संदिग्ध दिखाई दिए

हुए लोगों से पूछताछ भी किया।कैंट रेलवे स्टेशन परिसर तथा ट्रेनों के अंदर सफर कर रहे रेल यात्रियों से उन्होंने अपील किया कि वेलकम किसी भी अनजान व्यक्तियों द्वारा दिए गए खाद्य पदार्थों का सेवन न करें साथ ही साथ उनके आसपास बैठे संदिग्ध व्यक्ति या फिर कोई वस्तुएं दिखाई दें तो उसकी सूचना आरपीएफ पुलिस व जीआरपी को दें।टिकट काउंटर पर खड़े यात्रियों से कहा कि वह सभी स्टेशन परिसर में टिकट काउंटर से ही टिकट खरीदे। निरीक्षण के दौरान स्टेशन परिसर के बाहर अवैध रूप से खड़े ई रिक्शा तथा टेंपो चालको के खिलाफ कार्यवाई भी किया।उन्होंने बताया कि यह अभियान श्रावण मास,कांवड़ मेला व सावन झूला मेला के तहत श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर किया जा रहा है। क्योंकि आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं के साथ–साथ शिव भक्तों के भी भारी संख्या में भीड़ की आशंका बनी है।

# विवेकानंद पुस्तकालय में 21 प्रशिक्षुओं ने किया कार्यभार ग्रहण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में प्रशिक्षुओं का नया प्रभात उत्साह, अनुभव और उम्मीदों की रोशनी लेकर आया। विश्वविद्यालय एवं नेशनल अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग बोर्ड, कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में चयनित 21 नवप्रवेशी प्रशिक्षुओं ने गुरुवार को कार्यभार ग्रहण किया, वहीं पूर्व प्रशिक्षुओं ने सफलता पूर्वक एक वर्षीय प्रशिक्षण पूर्ण कर प्रमाणपत्र प्राप्त किए। पूर्व प्रशिक्षुओं ने साझा किया कि जब वे यहां आए थे, तो उनके पास केवल पुस्तकीय ज्ञान था, लेकिन यहां से विदा होते समय वे पुस्तकालय संचालन के हर पहलू में दक्ष हो चुके हैं। टाइम मैनेजमेंट, बुक्स की एक्सिसनिंग, प्रोसेसिंग, सर्कुलेशन, और ैल्न्स सॉफ्टवेयर जैसे तकनीकी अनुभवों ने उनके व्यक्तित्व को निखार दिया। इस शुभ प्रभात का श्रेय कुलपति प्रो. वंदना सिंह के प्रेरणादायी मार्गदर्शन और कुलसचिव डॉ. विनोद सिंह के सहयोग को जाता है, जिनके प्रयासों से पुस्तकालय ऑटोमेशन की दिशा में सार्थक कदम बढ़ा है। कार्यक्रम में प्रो. राजकुमार ने नियुक्तिपत्र एवं प्रमाणपत्र वितरित करते हुए सभी प्रशिक्षुओं को आशीर्वाद दिया। प्रभारी डॉ. इंद्रेश कुमार गंगवार ने जहां नवप्रवेशियों का स्वागत किया, वहीं पूर्व प्रशिक्षुओं को भावपूर्ण विदाई दी। यह कार्यक्रम सिर्फ एक प्रशिक्षण की समाप्ति नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुशासन और तकनीकी दक्षता के प्रभात की शुरुआत है। यह एक ऐसी रोशनी जो प्रशिक्षुओं के भविष्य को आलोकित करेगी। विदाई समारोह में अवधेश प्रसाद, मसूदुल हसन खान, शशांक, विकास, नीरज, जयचंद, दीपिका , उपासना, वरूणा, खुशी, पूनम, प्रिया सिंह यादव आदि अन्य लोगों उपस्थित थे।

# भाजपा पीडीए समाज को शिक्षा से दूर रखना चाहती हैं : अमित यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी मजदूर सभा द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई जिसमें बीजेपी सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों को बंद करने के निर्णय के विरोध किया गया तथा 22 जुलाई 2025 को जिला मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल महोदया को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री अमित यादव जी राष्ट्रीय महासचिव समाजवादी मजदूर सभा ने कहा कि पूर्व में सरकारें हर एक कोस पर पाठशाला का निर्माण कराती थी ताकि शिक्षा का स्तर बढ़ सके लेकिन वर्तमान की योगी सरकार पाठशाला के बजाय हर एक कोस पर मधुशाला बना रही हैं। भाजपा का उद्देश्य पीडीए समाज को शिक्षा से दूर रखना हैं। ग्रामीण अंचलों में प्राथमिक विद्यालय का दर्जा अत्यंत ऊंचा हैं। गांव में सरकारी विद्यालय विकास मार्ग का मील का पत्थर हैं। ग्रामीणों की भावना जुड़ी हुई हैं। अगर किसी विद्यालय में छात्र कम हैं तो उसका जिम्मेदार सरकार स्वयं हैं। उन कमियों को तलाशना चाहिए जिससे छात्रों का रुझान सरकारी विद्यालयों में बढ़ाया जा सके। आगे श्री यादव ने कहा कि सरकारी विद्यालयों का मर्जर न्यायपूर्ण और तर्कसंगत नहीं हैं इसलिए सरकार को इस निर्णय को वापस लेना चाहिए। श्री राम प्रताप बिंद जी और श्री विशाल कनौजिया जी को जिला उपाध्यक्ष मजदूर सभा का बनाया गया। श्री रमाशंकर चौहान जी को जिला सचिव और सादिक अली को जिला कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया ।

# राम नगरी के अविराम दास वार्ड में सीवर के जलभराव से वार्डवासी परेशान

अयोध्या। श्रीराम की नगरी को दिव्य और भव्य बनाने की मुहिम के बीच नगर निगम का नम्बर–1 वार्ड श्अभिराम दासश बदहाल हालात की मिसाल बन गया है। कौशल्या घाट, मीरापुर बुलंदी और कंधरपुर मोहल्ले में महीनों से सीवर लाइन जाम है। घरों में गंदा पानी घुस रहा है, गलियां तालाब बन चुकी हैं और जिम्मेदार विभाग एक–दूसरे पर ठीकरा फोड़ रहे हैं।पीडब्ल्यूडी, जल निगम और पंचकोशी परिक्रमा मार्ग चौड़ीकरण कार्य से जुड़ी एजेंसियों की आपसी तालमेल की कमी का खामियाजा सैकड़ों परिवार भुगत रहे हैं। पार्षद सुल्तान अंसारी लगातार अधिकारियों के दरवाजे खटखटा रहे हैं। महापौर से लेकर ॅच्क चीफ, जल निगम श्रम्, ।म तक से बात हो चुकी है, लेकिन राहत दूर–दूर तक नहीं दिख रही। पार्षद ने नगर आयुक्त को लिखे पत्र में आरोप लगाया है कि चौड़ीकरण कार्य के दौरान पीडब्ल्यूडी की लापरवाही से सीवर में गिट्टी चली गई है जिससे पूरी लाइन जाम हो चुकी है।लेकिन पीडब्ल्यूडी कहता है जल निगम देखेगा और जल निगम जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी पर डालता है।नतीजा आम जनता जलभराव के नरक में जीने को मजबूर है, और अफसरशाही कानों में रूई डालकर बैठी है। प्रश्न यह नहीं कि समस्या किसकी है। प्रश्न यह है कि समाधान कौन करेगा? जब पूरा शहर शदिव्यताश की रोशनी में नहाया जा रहा है, तब नम्बर–1 वार्ड के लोग गंदे पानी में क्यों डूबे हैं।अविलंब कार्रवाई नहीं हुई तो यह संकट सिर्फ वार्ड का नहीं, नगर निगम की कार्यशैली पर गहरा प्रश्नचिन्ह बन जाएगा।

# निरीक्षक आरपीएफ हरीश कुमार शाही ने चलाया चेकिंग अभियान

अयोध्या।बुधवार की शाम उच्चाधिकारियों के निर्देश पर श्रावण मास,कांवड़ मेला व सावन झूला मेला के तहत श्रद्धालुओं एवं रेल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर आरपीएफ निरीक्षक हरीश कुमार शाही ने उप निरीक्षक जीआरपी जीतेन्द्र कुमार व सुरक्षा कर्मियों के साथ कैंट रेलवे स्टेशन परिसर के साथ–साथ इस प्लेटफार्म से होकर गुजरने वाली ट्रेनों मे सघन चेकिंग अभियान चलाया।इस मौके पर उन्होंने अयोध्या कैंट स्टेशन पर सभी प्लेटफॉर्मो,पीआरएस, प्रतीक्षा रुम, ,सर्कुलेटिंग एरिया, रेलवे पार्किंग स्टैंड, टिकट काउंटर हाल, में चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग अभियान के दौरान उन्होंने ट्रेनों तथा स्टेशन परिसर के अंदर अपने गंतव्य स्थान को जाने वाले रेल यात्रियों के सामानों की सघनता पूर्वक चेकिंग किया।वहीं ट्रेनों के अंदर जाकर उन्होंने सुरक्षा कर्मियों के साथ रेल यात्रियों के सामानों का निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने वहां पर संदिग्ध दिखाई दिए हुए

लोगों से पूछताछ भी किया।कैंट रेलवे स्टेशन परिसर तथा ट्रेनों के अंदर सफर कर रहे रेल यात्रियों से उन्होंने अपील किया कि वे किसी भी अनजान व्यक्तियों द्वारा दिए गए खाद्य पदार्थों का सेवन न करें साथ ही साथ उनके आसपास बैठे संदिग्ध व्यक्ति या फिर कोई वस्तुएं दिखाई दें तो उसकी सूचना बिना देरी व भय के स्थानीय आरपीएफ व जीआरपी को दें।उन्होंने टिकट काउंटर पर खड़े यात्रियों से कहा कि वह सभी स्टेशन परिसर में टिकट काउंटर से ही टिकट खरीदे। निरीक्षण के दौरान स्टेशन परिसर के बाहर अवैध रूप से खड़े ई रिक्शा तथा टेंपो चालको के खिलाफ कार्यवाई भी किया।उन्होंने बताया कि यह अभियान श्रावण मास,कांवड़ मेला व सावन झूला मेला के तहत श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर किया जा रहा है। क्योंकि आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं के साथ–साथ शिव भक्तों के भी भारी संख्या में भीड़ की आशंका बनी है।

# यूपी नेडा विभाग द्वारा हुआ विकास भवन मे कार्यशाला का आयोजन

अयोध्या। सीडीओ केके सिंह के निर्देश पर जिले के सभी अधिशाषी अभियंता,सहायक अभियंता,अवर अभियंता, उपखण्ड अधिकारी, सुपरवाईजर एवं मीटर रीडर्स (मंध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि0) की कार्यशाला का आयोजन विकास भवन पर किया गया।कार्यशाला में उपकारी नाथ त्रिपाठी, सलाहकार यूपीनेडा,ने व्याख्यान दिया।कार्यशाला मे प्रवीण नाथ पाण्डेय,परियोजना अधिकारी, यूपीनेडा अयोध्या,अमर सिंह अधिशाषी अभियन्ता मीटर डीवीजन,सन्जय सैनी उपखण्ड अधिकारी सिविल लाइन, अरशद अली, उपखण्ड अधिकारी सोहावल,दीपेन्द्र सिंह उपखण्ड अधिकारी ई0डी0डी0–2,हरिशंकर कुमार उपखण्ड अधिकारी,सत्यम सिंह सहायक अभियन्ता मीटर–1,मृत्युंजय शर्मा सहायक अभियन्ता–मीटर–2,वैभव मिश्रा सहायक अभियन्ता–मीटर–3 सहित सभी अवर अभियन्ता व सभी मीटर रीडर सुपरवाईजर एवं मीटर रीडर्स एवं यूपीनेडा इम्पैनेल्ड वेन्डर्स उपस्थित रहें।कार्यशाला में मुख्य रूप से बिजली विभाग से सम्बन्धित नेट मीटर और स्मार्ट मीटर में शीघ्रता से स्थापना,मीटर कंफीग्रेशन और फ्लैग–ऑन की महत्ता पर बल दिया गया। नेट बिलिंग को समयानुसार जारी करने हेतु मीटर रीडर्स को एक्सपोर्ट एवं इम्पोर्ट यूनिट की उचित जानकारी दी गयी। स्मार्ट मीटर की स्थापना में होने वाले चरणों यथा क्यू सी –1,क्यू सी –2,क्यू सी–3 के तथा आर0एम0एस0 पर सूचना को प्रवाहित कर उपभोक्ता के स्मार्ट मीटर को कंफगरेशन करने में सप्लायर कम्पनी पोलेरिस एवं विद्युत विभाग के चरणबद्ध समन्वय की आवश्यक्ता को प्रकाश में डालकर प्रक्रिया को पाँच दिन में पूर्ण कराने हेतु अधिशासी अभियन्ता मीटर डिवीजन–प्रथम से अनुरोध किया गिया।उपकारी नाथ त्रिपाठी ने विद्युत विभाग से अनुरोध किया गया कि पी0एम0 सूर्य घर मफ्त बिजली योजना हेतु एक नोडल अधिकारी की तैनाती कर गूगल फार्मध्गूगल शीट के माध्यम से प्रति दिन समस्याओं का निस्तारण किये जाने का कष्ट करें।

# योगा फेडरेशन द्वारा 20 जुलाई को जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता आयोजित : रजनी साहू

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर योगासन स्पोर्ट्स एलाइंसन एसोसिएशन के तत्वाधान में योगा फेडरेशन जौनपुर द्वारा 20 जुलाई को जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता आयोजित किया गया है।इस संबंध में पत्रकारों से बात करते हुए ऋषि योगा संस्थान की निदेशक व मीरा वेलफेयर फाउंडेशन की अध्यक्ष एवं योगासन स्पोर्ट्स एलाइंसन एसोसिएशन की अध्यक्ष रजनी साहू ने बताया कि इस वर्ष इस प्रतियोगिता में लगभग 70 स्कूलों के लगभग 300 योगा के बच्चे भाग लेगे।ये प्रतियोगिता नगर के मोहम्मद हसन डिग्री कालेज में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खेल कूद कल्याण मंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद्र यादव होगे और विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह, एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंसू एवं नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मनोरमा मौर्या रहेंगी! इस प्रतियोगिता में आठ वर्ष से लेकर 25 वर्ष तक के बच्चे भाग ले सकते हैं।इस प्रतियोगिता में लड़के और लड़कियों का अलग अलग ग्रुप में भाग लेगे!

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।